



अनुपमा होस्करे
अकादेमी पुरस्कार – धागा पुतुल (कर्नाटक)

ANUPAMA HOSKERE
Akademi Award: String Puppetry (Karnataka)

Born on 20 December 1964 at Bangalore, Shrimati Anupama Hoskere learned the art of traditional string puppetry of Karnataka from Sangeet Natak Akademi Awardee Shri M.R. Ranganatha Rao. She has wide experience in every facet of the composite art form of puppetry including puppet making, puppet theatre proscenium design, script writing for puppet plays, and lighting and sound effects in puppet theatre. Shrimati Anupama Hoskere is an engineering graduate from BMS College of Engineering, Bangalore with a Master's degree from the California State University, Long Beach. She is also a performing Bharatanatyam artist.

Shrimati Anupama is the Founder Director of Dhaatu Center for Sharing, a leading and progressive puppet theatre of India. She is committed to preserving, nurturing and spreading the positive and celebratory aspects of India's ancient heritage, tradition and culture, and has many productions to her credit. She started organizing puppetry festivals and inviting artists from all over India with the aim of attracting attention to the art of puppetry. Six years ago in 2015, the festival became international and came to be known as Dhaatu International Puppet Festival. Shrimati Anupama

Hoskere is currently a member of the Karnataka Sangeeta Nrutya Academy.

Shrimati Anupama has taught courses in Traditional Indian Puppetry at Polytech Nice-Sophia, the engineering school of Nice-Sophia Antipolis University in France; The Free University of Brussels, abbreviated ULB, a French-speaking private research university in Brussels, Belgium; and at University of Paris 8, a public university in Paris as an invited scholar from India under the Erasmus Mundus UN Scholarship programme. She is a visiting faculty of the National Institute of Design (NID), Bengaluru. She has been the TEDx speaker at many universities of India.

She has received many awards like the Vishalakshi Award for outstanding achievement in puppetry bestowed by the Art of Living Foundation; and the Outstanding Woman Award in the field of puppetry from the Association of Kannada Kootas of America (AKKA), San Francisco, U.S.A.

Shrimati Anupama Hoskere receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for her contribution to the puppetry of Karnataka.

बेंगलुरु में 20 दिसंबर 1964 को जन्मी श्रीमती अनुपमा होस्करे ने संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित श्री एम. आर. रंगनाथ राव से कर्नाटक के पारम्परिक धागा पुतुल का प्रशिक्षण प्राप्त किया। पुतुल निर्माण, पुतुल नाट्यमंच अभिकल्प (प्रोसेनियम डिजाइन), पटकथा लेखन, और पुतुल रंगमंच के लिए प्रकाश और ध्वनि प्रभाव सहित पुतुल कला के विविध पक्षों का आपको व्यापक अनुभव है। आप बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु से इंजीनियरिंग स्नातक हैं और आपने कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लॉन्ग बीच से एमए किया है। आप भरतनाट्यम की कलाकार भी हैं।

श्रीमती अनुपमा, भारत के अग्रणी और प्रगतिशील पुतुल रंगमंच, धातु सेंटर फॉर शेयरिंग की संस्थापक निदेशक हैं। आप भारत की प्राचीन विरासत, परम्परा और संस्कृति के सकारात्मक और उत्सवपूर्ण पक्षों के संरक्षण, पोषण और प्रसार के लिए प्रतिबद्ध हैं, और आपने कई पुतुल प्रस्तुतियाँ तैयार की हैं। आप पुतुल कला की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से पुतुल उत्सवों का आयोजन करती हैं और इसमें भारत के विभिन्न भागों से कलाकारों को आमंत्रित भी करती हैं। वर्ष 2015 से इस पुतुल उत्सव का स्वरूप अंतर्राष्ट्रीय हो गया है



और अब इसे धातु इंटरनेशनल पपेट फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। श्रीमती अनुपमा होस्करे वर्तमान में कर्नाटक संगीत नृत्य अकादेमी की सदस्य हैं।

श्रीमती अनुपमा को इरास्मस मुंडस स्कॉलरशिप मिली है और आपने फ्रांस और बेल्जियम के विश्वविद्यालयों में पारम्परिक भारतीय पुतुलकला का प्रशिक्षण भी दिया है। आप राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), बेंगलुरु की विजिटिंग फैकल्टी हैं। आप भारत के कई विश्वविद्यालयों में टेडएक्स स्पीकर भी रह चुकी हैं।

पुतुल कला के क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए आपको आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा प्रदान किए गए विशालाक्षी पुरस्कार, और एसोसिएशन ऑफ कन्नड़ कूटस ऑफ अमेरिका, सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका द्वारा दिए गए उत्कृष्ट महिला पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

कर्नाटक की पुतुल कला में योगदान के लिए श्रीमती अनुपमा होस्करे को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।